मध्य प्रदेश
विधान सभा

स मा चा र

मध्यप्रदेश विधान सभा पुरस्कार

मध्यप्रदेश में फिर दिये जायेंगे संसदीय उत्कृष्टता पुरस्कार - अध्यक्ष, विधान सभा

संसदीय कार्यमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने 'अध्यक्षीय कार्यकाल एक वर्ष की उपलब्धि' पुस्तक का विमोचन किया

दिनांक 22 फरवरी,2022

मध्यप्रदेश में विधान सभा की ओर से दिये जाने वाले संसदीय उत्कृष्टता पुरस्कार करीब डेढ़ दशक बाद एक बार फिर शुरू किये जायेंगे।

इनमें श्रेष्ठ मंत्री,विधायकों के साथ ही विधान सभा के अधिकारी एवं कर्मचारियों का चयन होगा मंत्री पुरस्कार प्रथम मुख्यमंत्री रविशंकर शुक्ल की स्मृति में और विधायक पुरस्कार पूर्व मुख्यमंत्री सुन्दरलाल पटवा की स्मृति में दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रदे श की प्रथम महिला नेता प्रतिपक्ष श्रीमती जमुनादेवी की स्मृति में प्रिन्ट मीडिया पत्रकारों को और वरिष्ठ पत्रकार माणकचंद्र बाजपेयी की स्मृति में इलेक्टिानिक मीडिया पत्रकार को भी पुरस्कृत किया जायगा।

मध्यप्रदेश विधान सभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ने आज अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने पर सवाददाताओं से अपने कार्यकाल के नवाचारों और अन्य उपलब्धियों के संबंध में चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहां कि संसदीय उत्कृष्टता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकतातों में से एक है।

श्री गौतम के कार्यकाल के दौरान सभापति झूमा सोलंकी को सदन की कार्यवाही का संचालन सौंपा गया। वर्ष 1954 से लेकर 2021 तक 1161 शब्द एवं वाक्यों को असंसदीय माना गया था। पूर्व पीठासीन अधिकारियों ने इन्हें विलोपित किया था। श्री गौतम के कार्यकाल में इनका संकलन तैयार कर प्रकाशन किया गया जिसका उददेश्य यह रहा है कि वर्तमान सदस्य इन विलोपित शब्दों का उल्लेख सदन में न करें। इसी कार्यकाल में ये प्रयास किया गया कि प्रश्नकाल में सदस्य सिर्फ संबंधित प्रश्न पूरक प्रश्न ही पूछे। ताकि 1 घन्टें में अधिक से अधिक प्रश्नों पर चर्चा हो सके। पहली बार के सदस्यों को सदन में एक दिन में प्रश्नकाल का समय दिया गया।

शिमला में आयोजित 82 वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में श्री गौतम ने लोक सभा स्पीकर के सामने सुझाव रखा कि वर्तमान में सिर्फ गुजरात विधान सभा की अध्यक्ष महिला है, इसलिए वहाँ की अध्यक्ष डॉक्टर नीमाबेन भावेश भाई आचार्य को पीठासीन सम्मेलन में सभापति बनाया जाये। लोकसभा अध्यक्ष ने इस सुझाव को मानते हुए,डॉक्टर नीमाबेन को सभापति नियुक्त किया गया।

इसी क्रम में श्री गौतम की पहल पर मध्यप्रदेश में पीठासीन सम्मेलन प्रस्तावित है। श्री गौतम ने विधानसभा सचिवालय के अतर्गत कर्मचारी कल्याण और विधायकों की सुविधाओं के लिए कई कार्य कराये। विधायकों द्वारा सदन में दिये गये भाषण की ऑडियो/ वीडियो की सुविधा शुरू की गई है। विधायक विश्राम गृह में पूर्व विधायकों को भी कई सुविधाओं पर इस दौरान काम करते हुए 25 कमरे पूर्व विधायकों के लिए आरक्षित किये गये हैं।

श्री गौतम अपने गृह क्षेत्र विन्ध्य के विकास के लिए भी इस दौरान सतत सक्रिय रहे। जन संवाद कर समस्याओं का निराकरण हेतु 'साइकिल यात्रा' निकाली गई। विधान सभा के प्रमुख सचिव ए.पी. सिंह ने अध्यक्ष का स्वागत किया। विधान सभा के कर्मचारियों / अधिकारियों के अलावा सामाजिक संगठन तथा मैहर देवी माता के पुजारी सुमित महाराज ने भी स्वागत किया।

वि.स./ज.स./22

(नरेन्द्र मिश्रा)
अवर सचिव

दूरभाष : जनसंपर्क शाखा: (+91-755) 2523065, 2523028, 2440221 फैक्स: (+91-755) 2440238
ई-मेल : vidhansabha-mp@nic.in वेबसाइट : http://www.mpvidhansabha.nic.in